SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Affiliated to the University of Mumbai

Programme: Humanities

HINDI (Major and Minor)

S.Y.B.A

Syllabus for the Academic Year 2025-2026

based on the National Education Policy

2020

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE DETAILS FOR MAJOR:

	SEMESTER 3		SEMESTER 4	
TITLE	**मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य**	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	**आधुनिक हिंदी गद्य**	**जनसंचार माध्यम : विविध आयाम**
TYPE OF COURSE - DSC	**DSC**	**DSC**	**DSC**	**DSC**
CREDITS	**4**	**4**	**4**	**4**

COURSE DETAILS FOR MINOR:

	SEMESTER 3	SEMESTER 4
TITLE	**हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)**	**हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 2)**
TYPE OF COURSE - DSC	**DSC**	**DSC**
CREDITS	**4**	**4**

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास के व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियाँ एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित कराना और उनमें नैतिकता का विकास कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद , विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढ़ाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रुचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्यशास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधों के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधों के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि के विचारों का हिंदी साहित्य पर पड़ा प्रभाव दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किये गए हैं |

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	साहित्य मानवीय चित्तवृत्तियों का प्रतिबिम्ब होता है उसमें समाज की विकृतियों, संवेदनाओं एवं परिस्थितियों को चित्रित किया जाता हैं, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक सजगता निर्माण करना और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना |
PO 2	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध कथा-कहानियों, रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का परिचय कराना |
PO 3	साहित्य की विविध विधाओं का पठन-पाठन करते हुए विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना और साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना |
PO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना | विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना।
PO 5	प्रयोजनमूलक एवं जनसंचार के विविध माध्यमों के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना। |
PO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुभव, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम करना और साथ ही उनमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |
PO 7	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, प्रमुख कवियों और रचनाकारों से परिचित करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों और सामाजिक समस्याओं से सजग करना |
PO 8	भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न आयामों जैसे कि रस, अलंकार और छंद का अध्ययन करके काव्य की सुंदरता और भावों की समझ निर्माण करना साथ ही साहित्यिक सौंदर्य, कला एवं वैचारिक मूल्यों की छात्रों को जानकारी देना |
PO 9	भाषा विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी की जानकारी देकर उन्हें व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम बनाना|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज से परिचित होंगे |
PSO 2	अन्य गद्य विधाओं के पठन-पाठन एवं चरित्रों को पढ़ने से विद्यार्थी उनमें व्यक्त भावों को समझ कर जीवन में उतारने के लिए सक्षम होंगे| अपने प्राप्त कौशल से जीवन की विविध चुनौतियों का सामना करने को तैयार रहेंगे |
PSO 3	उपन्यास के पठन - पाठन से संघर्षमयी जीवन से परिचित होंगे और सैद्धांतिक मूल्यों को जान पाएँगे तथा भविष्य में अपने जीवन में उनका अमल कर पाएंगे |
PSO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा, काव्य रस, संवेदना और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 5	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों को मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, ब्लॉगर साथ ही - हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन, और व्यावहारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उसमें वर्णित पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवीय, नैतिक, सामाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।

PSO 7	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे प्रेरणादायक कविताएँ और रोचक कथाओं के माध्यम से छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी और वे जीवन में साहित्य के महत्व को समझ कर रचनात्मकता कौशल में विकास करेंगे |
PSO 8	पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में सैन्धान्तिक मूल्यों का विकास होगा तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत होने से छात्रों को न केवल शुद्ध भाषा की जानकारी होगी बल्कि तकनीकि क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ छात्रों के समक्ष निर्माण होगी ।
PSO 9	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्य परम्परा से अवगत होंगे और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी |

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 3**	**Semester – 3**
Course Title: मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	**Course Code: AHIN233MJ**

COURSE OBJECTIVES:

1. मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के मध्यकालीन कवियों कबीर , तुलसी , सूरदास, बिहारी आदि से परिचित कराना और उनके पदों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास कराना |
2. आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविताओं के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना | तथा छात्राओं में समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक समस्याओं का सामाधान करने की क्षमता निर्माण कराना| भावात्मक एवं कलात्मक पक्ष की समझ निर्माण कराना |
3. हिंदी साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जिज्ञासा निर्माण करानाऔर सृजनात्मक कार्य के प्रति प्रेरित कराना|

COURSE OUTCOMES:

1. मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा|
2. आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविताओं के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से छात्राएँ अवगत होगी तथा समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगी। भावात्मक एवं कलात्मक पक्ष की समझ निर्माण होगी |
3. हिंदी साहित्य के प्रति छात्राओं में जिज्ञासा निर्माण होगी तथा रचनात्मक कार्य के प्रति वे अग्रसर होंगी |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 कबीरदास के दोहे, . सूरदास के पद -	1.1	1. सतगुरु की महिमा अनँत….. .अनँत दिखावणहार ॥ 2. दीपक दीया तेल भरि……. बहुरि न आँवौं हट्ट॥ 3. बलिहारी गुरु. ……...न लागी बार॥ 4. सतगुरु लई कमाँण करि. …… भीतरि रह्या सरीर ॥ **सुमिरन भजन महिमां कौ अंग -** 1. कबीर सूता क्या करै…….. लम्बे पाँव पसारि ॥ 2. तूँ तूँ करता तूँ भया। ..... जित देखौं तित तूँ 3. च्यंता तौ हरि नाँव की..... सोई काल कौ पास 4. भली भई जो... ……पड़ता पूरी जानि ॥

	1.2	सूरदास के पद- 1. अविगत गति..... ……..सूर सगुन लीला पद गावै॥ 2. हरि सों मीत न देख्यौं कोई..... नाना त्रास निवारे ॥ 3. गोविन्द प्रीति सबन की मानत..... जुग जुग भगत बढ़ाए॥ 4. जैसे तुम गज कौ…….सुदामा तिहि दारिद्र नसायौ ॥
इकाई 2 तुलसीदास- अयोध्याकांड, बिहारी के दोहे	2.1	**तुलसीदास- अयोध्याकांड -** 1. माई री! मोहि कोउ न समुझावै ….. . .पीर न जाति बखानी॥ 2. जब-जब भवन बिलोकति सूनो..... बिनु सोकजनित रुज मेरो ॥ 3. काहेको खोरि कैकयिहि.. .. मनहु राम फिरि आए॥ 4. माई ! हौं अवध कहा रहि लैहौं। ….निकसि बिहंग-मृग भागे|
	2.2	**5. बिहारी के दोहे -** 1. तंत्रिनाद कवित्त रस.. ……जे बूड़े सब अंग॥ 2. कोरि जतन काऊ ..... अंत नीच कौ नीचु॥ 3. संगति सुमति न पावहीं…… हींग न होई सुगंध॥ 4. नहिं परागु नहिं मधुर मधु..... आगै कौन हवाल॥ 5. कहै-यहै श्रुति सुम्रत्यों……. .पातक, राजा, रोग.॥ 6. घरु-घरु डोलत दीन है……लघु पुनि बड़ौ लखाइ॥ 7. कनक-कनक तै सौगुनौ .. ..इहिं पाएँ ही बौराइ॥ 8. सबै हँसत करतार दै... .गएँ गँवारै गाँव॥
इकाई 3 आधुनिक काव्य- रश्मिरथी (खंडकाव्य) -रामधारी सिंह 'दिनकर'	3.1	रश्मिरथी (खंड -1)
	3.2	रश्मिरथी (खंड - 3)
इकाई 4 आधुनिक काव्य एवं प्रतिनिधि कविताएँ - कुंवर नारायण	4.1	पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ- 1. आजकल लड़ाई का ज़माना है- त्रिलोचन 2. एक छोटा-सा अनुरोध- केदारनाथ सिंह 3. नदी और साबुन -ज्ञानेंद्रपति 4. सरकारी कोयल- उदय प्रकाश 5. घर- मंगलेश डबराल
	4.2	**प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण-** **पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ -** 1. घर रहेंगे 2. अबकी अगर लौटा तो 3. क्या वह नहीं होगा 4. बाज़ारों की तरफ़ भी

संदर्भ :

1. मध्यकालीन और आधुनिक काव्य - संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय
2. कवीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. सूरदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. कवीर ग्रंथावली - डॉ. श्यामसुंदर दास
5. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. बिहारी सतसई - सम्पादक जगन्नाथ रत्नाकर
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
8. प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण- सम्पादक- पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
9. रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन
10. रामचरितमानस – तुलसीदास
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme:Humanities **Hindi Major 4**		**Semester – 3**	
Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी		**Course Code: AHIN234MJ**	
COURSE OBJECTIVES: 1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक ओर सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी से अलगाना,हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली से अवगत कराना ताकि हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया, बैंक, रेलवे , प्रशासन, कानून, चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें। 2. भाषा के अनुवाद का परिचय देना और अनुवाद की ओर विद्यार्थियों को अग्रसर करना। 3. विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विज्ञापन में रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना और उस ओर अग्रसर कराना।			
COURSE OUTCOMES: 1. प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी पारिभाषिक शब्दावली एवं व्यावहारिक हिंदी से परिचित होंगे जिससे हिंदी से जुड़े रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। 2. विज्ञापन और अनुवाद क्षेत्र की अपार सम्भावनाओं को आज़मा सकेंगे। 3. एक ओर पत्रकारिता, तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी अग्रसर होंगे, वे इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी सीखेंगे।			
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणाएँ एवं स्वरूप	1.1	प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरुप,विशेषताएँ और महत्त्व
	1.2	सामान्य हिंदी और साहित्यिक हिंदी - स्वरुप, विकास, विशेषताएँ और महत्त्व
	1.3	प्रयोजन मूलक हिंदी : व्यावहारिक प्रयोग (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)
इकाई 2 विज्ञापन का परिचय	2.1	विज्ञापन :अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
	2.2	विज्ञापन का महत्व एवं विशेषताएँ
	2.3	विज्ञापन और हिन्दी भाषा
	2.4	विज्ञापन : व्यावहारिक प्रयोग (प्रिंट मीडिया, रेडियो और टेलीविज़न में विज्ञापन लेखन)

इकाई 3 अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप	3.1	अनुवाद का सामान्य परिचय
	3.2	अनुवाद की प्रक्रिया
	3.3	अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर अनुवाद
	3.4	अनुवाद : व्यावहारिक प्रयोग (अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)
इकाई 4 पारिभाषिक शब्दावली	4.1	पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय
	4.2	50 पारिभाषिक शब्द

संदर्भ :

1. प्रयोजन मूलक हिंदी डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
4. प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका कैलाश नाथ पांडेय
5. प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. पी.लता
6. प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के
7. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. परिभाषा स्वरूप एवं क्षेत्र-डॉ. गोपाल राय
9. अनुवाद कला - डॉ. एन.ई. विभवनाथ अय्यर
10. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग- जी. गोपीनाथ

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 5**		**Semester – 4**	
Course Title: आधुनिक हिंदी गद्य		**Course Code: AHIN245MJ**	

COURSE OBJECTIVES:

1. हिंदी साहित्य की उपन्यास विधा से अवगत कराना |
2. 'दौड़' उपन्यास के अध्ययन द्वारा आधुनिक परिवेश से परिचित कराना एवं उपन्यास के कला-पक्ष की समझ निर्माण कराना |
3. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक द्वारा पौराणिक कथा के आधार पर समकालीन शैक्षणिक समस्याओं की जानकारी देना | नाट्य लेखन में शुद्धता, सुस्पष्टता और प्रभावशीलता का निर्माण कराना एवं उन्हें अपने विचारों को सटीक और व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना |

COURSE OUTCOMES:

1. उपन्यास की बारीकियों को समझने पर उपन्यास के निर्माण एवं पठन में छात्राओं की रूचि बढ़ेगी |
2. 'दौड़' उपन्यास द्वारा युवाओं में अपने अभिभावकों के प्रति प्रेम बढेगा तथा उपन्यास के कला-पक्ष की समझ निर्माण होगी |
3. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक द्वारा आज की भ्रष्ट शिक्षण - प्रणाली से विद्यार्थी अवगत होंगे | नाट्य लेखन में शुद्धता, सुस्पष्टता और प्रभावशीलता का निर्माण होगा एवं वे अपने विचारों को सटीक और व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने में सक्षम बनेंगे।

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 हिंदी उपन्यास का परिचय और दौड़ लघु उपन्यास	1.1	हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय
	1.2	लघु उपन्यास 'दौड़' का सामान्य परिचय
	1.3	दौड़ उपन्यासकार का जीवन परिचय
इकाई 2 दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया	2.1	पठन- पाठन (समूह चर्चा)
	2.2	उपन्यास के तत्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा - (कथावस्तु, पात्र, शिल्प, देशकाल /वातावरण, भाषा, शैली, उद्देश्य)
इकाई 3 हिंदी नाटक का परिचय और एक और	3.1	हिंदी नाटक का सामान्य परिचय
	3.2	'एक और द्रोणाचार्य'नाटक का सामान्य परिचय

द्रोणाचार्य	3.3	नाटककार का जीवन परिचय
इकाई 4 एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष,	4.1	नाटक के तत्वों के आधार पर एक और द्रोणाचार्य नाटक की समीक्षा (कथावस्तु, संवाद, पात्र, अभिनय, देशकाल /वातावरण, भाषा, शिल्प, शैली) ,
	4.2	एक और द्रोणाचार्य नाटक का सामाजिक, आर्थिक ,राजनैतिक, शैक्षणिक आधार पर मूल्यांकन -

संदर्भ :

1. दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया, वाणी प्रकाशन
2. एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष, परमेश्वरी प्रकाशन
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5. उपन्यास का स्वरूप - डॉ शशिभूषण सिंघल, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - संपादक -रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, गुजरात
7. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा
8. हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह
9. भारतीय एवं पाश्चत्य रंगमंच - पंडित सीताराम चतुर्वेदी
10. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Major 6**		**Semester – 4**	
Course Title: जनसंचार माध्यम : विविध आयाम		**Course Code: AHIN246MJ**	
COURSE OBJECTIVES: 1. विद्यार्थियों को विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय कराना और जनसंचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी देना | 2. समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि में लेखन कौशल का विकास कराना| 3. जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा का महत्व समझाकर उससे परिचय कराना| 4. नए जनसंचार माध्यमों में विद्यार्थियों को नये मीडिया इंस्ट्राग्राम, ट्विटर, टेलीग्राम, फेसबुक आदि से परिचित कराना तथा जनसंचार माध्यमों में संचार के सैद्धांतिक पक्षों की जानकारी देना और उसकी उपयोगिताओं को समझाना |			
COURSE OUTCOMES: 1. विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय होने के बाद विद्यार्थी मीडिया में रोजगार प्राप्ति की ओर अग्रसर होंगे | 2. समाचार लेखन. रेडियो लेखन, पटकथा एवं संवाद लेखन, टेलीविजन, कंटेंट लेखन और ब्लॉग लेखन आदि लेखन कौशल का विद्यार्थियों में विकास होगा| 3. जनसंचार माध्यमों में संचार के सैद्धांतिक पक्षों की जानकारी होगी और व्यावहारिक हिंदी भाषा कौशल का विकास होगा |			
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 जनसंचार का अर्थ, स्वरुप एवं परिभाषा	1.1	जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	1.2	जनसंचार : परम्परागत माध्यम (लोकनाट्य , लोकनृत्य, लोककथा, लोकगीत लावणी, तमाशा, कठपुतली
इकाई 2 विविध जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता	2.1	समाचार पत्र
	2.2	रेडियो
	2.3	सिनेमा
	2.4	टेलीविजन
इकाई 3	3.1	समाचार पत्र
	3.2	रेडियो

जनसंचार माध्यमों की भाषा	3.3	सिनेमा
	3.4	टेलीविजन
इकाई 4 नया मीडिया : विविध रूप और उपयोगिता	4.1	इंटरनेट
	4.2	इंस्टाग्राम
	4.3	ट्विटर
	4.4	टेलीग्राम
	4.5	व्हाट्सअप
	4.6	फेसबुक

संदर्भ :

1. जनसंचार -हरीश अरोड़ा
2. प्रिंट मीडिया लेखन - निशांत सिंह
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन - हरीश अरोड़ा
4. मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार -चन्द्र प्रकाश मिश्र
5. मीडिया विधि - निशांत सिंह
6. पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण - अरविन्द मोहन
7. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र - जवारीमल्ल पारिख
8. भारत में प्रेस कानून - प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी
9. जनसंचार के माध्यम - विजेंद्र सिंघल
10. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - प्रो. हरिमोहन
11. जनसंचार माध्यमों का विकास और प्रभाव - डॉ. अशोक कुमार मिश्र
12. नव मीडिया और भाषा - विजया सिंह

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Minor 3**		**Semester – 3**	
Course Title: हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)		**Course Code: AHIN233MN**	

COURSE OBJECTIVES:

1. हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी गद्य विधा उपन्यास से परिचित कराना और उपन्यास के पठन से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का संस्कार करना |
2. ममता कालिया द्वारा रचित उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' के माध्यम से महिलाओं के जीवन तथा उनकी समस्याओं से अवगत कराना |
3. उपन्यास के माध्यम से वर्तमान सामाजिक, पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं आज के युग की युवाओं की समस्याओं से परिचय कराना| उपन्यास के शिल्प, विषयवस्तु और भाषा की विशेषताओं से अवगत कराना साथ ही उपन्यास के लेखन -नियम से परिचित कर रचनात्मक कार्य करने की ओर अग्रसर कराना |

COURSE OUTCOMES:

1. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा के पठन-पाठन से विद्यार्थी उपन्यास के इतिहास और प्रमुख उपन्यासकारों से परिचित होंगे साथ ही स्त्री जीवन की विविध समस्याओं और परिस्थितियों से अवगत होंगे |
2. 'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के पठन-पाठन से उपन्यास के भावपक्ष एवं कलापक्ष से अवगत होंगे |
3. 'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के पठन-पाठन से छात्राओं में आधुनिक युग की विभिन्न बाधाओं का सामना कर पाने की क्षमता का विकास होगा और उपन्यास के शिल्प, विषयवस्तु और भाषा की विशेषताओं से अवगत होंगे साथ ही उपन्यास के लेखन -नियम से परिचित होकर रचनात्मक कार्य करने की ओर अग्रसर होंगे|

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 हिंदी उपन्यास का परिचय	1.1	हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय अर्थ,परिभाषा, तत्व और स्वरूप
	1.2	हिंदी के कतिपय उपन्यासकारों का परिचय 1. श्रीनिवासदास मिश्र 2. देवकीनंदन खत्री 3. वृन्दावन लाल वर्मा 4. प्रेमचंद 5. श्री लाल शुक्ल

इकाई 2 उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया	2.1	उपन्यासकार ममता कालिया का सामान्य परिचय
	2.2	'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास का सामान्य परिचय
	2.3	'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास पठन-पाठन, समूह चर्चा
इकाई 3 उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया	3.1	पारिवारिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
	3.2	सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
	3.3	नैतिक मूल्य परक समीक्षा
	3.4	युवा वर्ग सम्बन्धी विविध परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा
इकाई 4 उपन्यास के तत्वों के अनुसार उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' की समीक्षा	4.1	कथावस्तु, पात्र, देशकाल/ वातावरण, भाषा, उद्देश्य

संदर्भ :

1. सपनों की होम डिलीवरी उपन्यास, ममता कालिया
2. हिंदी गद्य का इतिहास- रामचंद्र तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
7. उपन्यास का स्वरूप - डॉ शशिभूषन सिंघल, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - संपादक -रामदरश मिश्रा, गिरनार प्रकाशन, गुजरात
9. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय

SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (EMPOWERED AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **Hindi Minor 4**	**Semester – 4**
Course Title: हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 2)	**Course Code: AHIN244MN**

COURSE OBJECTIVES:

1. हिंदी नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक विधा से परिचित कराना | हिंदी नाटक के उद्भव और विकास के माध्यम से नाटक के प्राचीन स्वरूप और उसके विकास के बारे में छात्राओं को जानकारी देना |
2. हिंदी नाटक 'बकरी' के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं से अवगत कराना तथा उनमें मूल्यांकन करने की क्षमता को निर्माण कराना|
3. एकांकी के माध्यम से छात्रों को एकांकी विधा से अवगत कराना| एकांकी 'सूखी डाली' तथा 'स्त्री का हृदय' एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों को संयुक्त परिवार के महत्त्व तथा स्त्री संबंधित पारिवारिक समस्याओं से अवगत कराना साथ ही भाषा-शैली से अवगत कराना |

COURSE OUTCOMES:

1. हिंदी नाटक एवं एकांकी विधा से विद्यार्थी अवगत होंगे और नाटक एवं एकांकी लेखन में रचनात्मक कार्य करेंगे |
2. हिंदी नाटक बकरी के माध्यम से विद्यार्थी सामाजिक, राजनैतिक परिस्थितियों से तथा समस्याओं से अवगत होंगे और उनमें मुल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी |
3. हिंदी नाटक एवं एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास होगा साथ ही भाषा-शैली से अवगत होंगे |

Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Summative Assessment**	**2 Hours**	**50 marks**
	Cumulative Assessment	**--**	**50 marks**

इकाई 1 हिंदी नाटक एवं एकांकी : उद्भव, विकास एवं तत्व	1.1	हिंदी नाटक एवं एकांकी का परिचय
	1.2	हिंदी नाटक एवं एकांकी की विकास
	1.3	हिंदी नाटक एवं एकांकी का स्वरुप
	1.4	हिंदी नाटक एवं एकांकी के तत्व
इकाई 2 बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	2.1	लेखक का सामान्य परिचय
	2.2	नाटक का सामान्य परिचय

	2.3	नाटक वाचन और व्याख्या
	2.4	सामाजिक, पारिवारिक,राजनैतिक,विविध मानवीय मूल्य आदि रूप से नाटक की समीक्षा
इकाई 3 नाटक के तत्वों के आधार पर 'बकरी' नाटक का विश्लेषण	3.1	(भारतीय एवं पाश्चात्य) (कथावस्तु, रस, अभिनय, पात्र, भाषा, रंगमंच, उद्देश्य)
इकाई 4 एकांकी पठन - पाठन	4.1	सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क
	4.2	स्त्री का हृदय : उदयशंकर भट्ट

संदर्भ :

1. बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
2. प्रतिनिधि एकांकी - सम्पादक डॉ. दानबहादुर सिंह, डॉ. सत्यपाल तिवारी
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपति चंद्रगुप्त
4. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास - दसरथ ओझा
5. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच - सीताराम चतुर्वेदी
6. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
7. रंगमंच के सिद्धांत - नेमिचंद्र जैन

For 4 Credit Papers (Major and Minor) – CA + SA = 100 marks Continuous Assessment (CA) (50 marks)

1. A minimum of two activities will be given in each semester.
2. Each will be for 25 marks.
3. The nature of the activities will be decided by the Examiner and may include Assignment/ MCQs/ Short notes and/or any other type of /combination of objective or descriptive type activity.
4. Learners will be informed about the marks they have got before the Summative Assessment.

Summative Assessment (SA) (50 marks)

Duration: 2 hours

1. The Question Paper will cover all four units of the syllabus.
2. There will be Four mandatory questions:
    - Question I: Attempt any two out of four (1**4** marks)
    - Question II : Attempt any one out of two (1**2**marks)
    - Question III : Attempt any one out of two (1**2** marks)
    - Question IV : Attempt any one out of two (**12**marks)
3. In each question, each option will be from a different unit.